Today's Poem – 09.07.2014

बाप है दुःखहर्ता सुखकर्ता

सबके दुःख हर लेता

बाप जैसी निष्काम सेवा कोई कर नहीं सकता

कोई मनुष्य हमारे दुःख दूर नहीं कर सकता

बाप आकर एक सत धर्म की स्थापन करते

पवित्र और सुख-शान्ति की दुनिया बनाते

यह रूहानी पढ़ाई रोज पढ़नी और पढ़ानी

कभी नहीं मिस करनी

किसी भी चीज़ में ना रखनी आसक्ति

उसकी ही सेवा करती प्रकृति

मेरे को तेरे में परिवर्तन करना

यही है विश्व कल्याणकारी बनना

चेक एंड चेंज

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!